पुस्तक समीक्षा

डॉ. लक्ष्मीनारायण सारस्वत: अभिनन्दन ग्रन्थ

समाज व साहित्य सेवा को समर्पित डॉ. लक्ष्मीनारायण सारस्वत की षष्ठी पूर्ति के मौके पर प्रो. रघुबीर अनाम व रघुनाथ प्रियदर्शी के सम्पादन में डॉ. लक्ष्मीनारायण सारस्वत : अभिनन्दन ग्रन्थ का प्रकाशन हुआ है। डॉ. सारस्वत को समर्पित इस अभिनन्दन ग्रंथ के माध्यम से पाठकों को इनके व्यक्तित्व के बारे में जानकारी प्राप्त होगी।

साहित्य तथा साहित्यकारों की सेवा वो ही शक्स कर सकता हे जो एक तो साहित्य का महत्व, साहित्य की गरिमा व आवश्यकता को भली-भांति समझता हो, दूसरा उसके सीने में देश प्रेम की भावना भरी पूरी हो, अपने देश को समर्पित लोगों के प्रति अति आदर की भावना हो। डॉ. लक्ष्मीनारायण सारस्वत ऐसे ही सक्श है जिनमें ये गुण विद्यमान हैं। डॉ. सारस्वत अपनी समर्पित सेवा भाव से सबसे आदर पा रहे हैं तथा नई पीढ़ी के लिए या आम आदमी के लिए प्रेरणा बनते जा रहे हैं।

ग्रंथ के अनुसार डॉ. सारस्वत की जो खास विशेषता हे वो यह है कि ये बड़े सहृदयी हैं। अपनी मधुर वाणी व अपनेपन से सबो अपना बना लेते हैं। विनम्रता, सहजता से भरे हुए ये सक्श परनिंदा से दूर रहते हैं। सहयोगी तथा हंसमुख स्वभाव वाले हैं, यही कारण है कि ये तनाव व निराशा से मुक्त हैं। गरीबों के प्रति इनके मन में दया भाव के कारण ही ये गरीबों को मुफ्त दवा भी दे देते हैं। अनेक संस्थाओं से जुड़े हुये डॉ. सारस्वत को उनके सुकर्म, समाज समर्पित भाव के कारण ही विभिन्न संस्थाओं/संगठनों ने इनको समय-समय पर पुरस्कृत किया है।

चिकित्सा व्यवसाय से जुड़े डॉ. सारस्वत साहित्य सेवा के अलावा भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षाओं का आयोजन करवाना, विद्यालयों में जाकर बच्चों को नैतिकता का पाठ पढ़ाना आदि कार्य करते रहते हैं। 'गायत्री मिशन' के वरिष्ठ कार्यकर्ता के नाते घर-घर जाकर यज्ञ करवाना, नशा मुक्ति हेतु तथा दहेज प्रथा के खिलाफ कार्यक्रम आयोजित करवाना, वृक्षारोपण अभियान चलाना इनके स्वभाव का हिस्सा है।

डॉ. लक्ष्मीनारायण सारस्वत कें अभिनन्दन ग्रंथ को मधुपर्क, जीवन परिचय, स्वस्ति वाचन, अक्षत चन्दन, कवितांजलि, चित्रावली, चिन्तन के क्षण, स्वास्थ्य दर्पण ओर भजन-गीत नौ भागों में बांटा है। प्रथम भाग मधुपर्क में केन्द्रीय मंत्री कुमारी शैलजा, पूर्व मंत्री ओपी जिन्दल, पूर्व मुख्यमंत्री चौ. भजनलाल, पूर्व मंत्री प्रो. सम्पत सिंह, सुभाष गोयल, एमएल रंगा, रामजीलाल, हरिसिंह सैनी, स्नेहलता सहित अन्य गणमान्य लोगों के शुभ



संदेश है तो दूसरे भाग जीवन परिचय में पं. मदन गोपाल शास्त्री तथा नरेन्द्र कश्यप द्वारा लिखे डा. सारस्वत के जीवन से परिचित करवाते आलेख हैं तथा इसी के साथ डॉ. सारस्वत के जीवन की उपलब्धियों का आलेख है।

भाग तीन 'स्वस्ति वाचन' में राज्य कवि उदयभानु हंस, अमृतलाल मदान, रामकुमार आत्रेय, कमलेश भारतीय, जय कुमार जैन, पूरन मुदगल, डा. रामकुमार निजात, डा. रमाकांत शर्मा, ओपी कादयान, आशा कुन्दन, शमीन शर्मा, बलदेव राज शान्त, प्रो. रघुबीर अनाम आदि साहित्यकारों के अलावा कुल 66 लेखकों, बुद्धिजीवियों के डा. सारस्वत पर केन्द्रित छोटे-बड़े लेख दिये गये हैं। चौथे भाग 'अक्षय चन्दन' में डॉ. लक्ष्मीनारायण सारस्वत के सम्बंधियों द्वारा डा. सारस्वत के अभिनन्दन में लिखे स्तुति शब्द सेतु हैं तो पांचवे भाग 'कवितांजलि' के अन्तर्गत डॉ. सारस्वत मोहन मनीषी, डा. विद्यासागर, प्रियदर्शी, सतीश कौशिक, डा. वन्दना पाण्डेय, भीष्म पितामह, चन्दनबाला, राजेन्द्र शर्मा 'विकल', महेन्द्र जैन, हवासिंह शर्मा, चन्द हिसारी, सन्तोष गर्ग, शुभकरण गौड़ आदि की कवितायें हैं जो डा. सारस्वत के जीवन ओर कर्म का उल्लेख करती है।

छटे भाग 'चित्रावली' में डा. सारस्वत के जीवन की चित्र झांकियां हैं तथा सातवे भाग 'चिंतन के क्षण' तथा आठवे भाग 'स्वास्थ्य दर्पण' में डा. सारस्वत द्वारा लिखी कवितायें व भजन दिये हुए हैं। कुल मिलाकर यह अभिनन्दन ग्रंथ डा. लक्ष्मी नारायण सारस्वत को समझने-जानने के लिए अच्छा प्रयास हैं।

\- ओमप्रकाश कादयान